UNIVERSITY NEWS 14 JULY 2026

HINDUSTAN

एलयू में एमबीए की प्रवेश परीक्षा 19 को

दाखिले की दौड़

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय की एमबीए पाठ्यक्रम की प्रवेश परीक्षा 19 जुलाई को होना प्रस्तावित है। वह अभ्यर्थी जिन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय में आनलाइन आवेदन किया है और सीएटी 2025 की प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित हुये है, उन अभ्यार्थियों को न्यूनतम स्कोर के अनुसार परीक्षा से छूट दी गई है।

सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए सीएटी 2025 में न्यूनतम स्कोर 50 परसेंटाईल, अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए न्यूनतम स्कोर 45 परसेंटाईल, अनुसूचित जाति व जनजाति के अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम स्कोर 45 परसेंटाईल, दिव्यांग के न्यूनतम स्कोर 45 परसेंटाईल निर्धारित किया गया है। जिन अभ्यर्थियों का सीएटी 2025 में उपरोक्त न्यूनतम स्कोर से कम स्कोर है।

दीक्षांत में गोद लिए गांवों के छात्र होंगे सम्मानित

लखनऊ विवि की ओर से गोद लिए गए गांवों के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को आगामी 31 जुलाई को दीक्षांत समारोह मे सम्मानित किया जाएगा। यह पहल राज्यपाल व विवि की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल के निर्देशों के अनुरूप की जा रही है।

कोर्स के बाहर के सवालों पर पूरे अंक

लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीए प्रवेश परीक्षा 2026-27 में पूछे गए आउट ऑफ सिलेबस गणित के 10 प्रश्नों को लेकर बडा निर्णय लिया है। कुलपति ने छात्र हित मे फैसला लेते हुए निर्देश दिया है कि इन 10 प्रश्नों के पूरे अंक सभी अभ्यर्थियों को समान रूप से दिए जाएंगे। हाल ही मे आयोजित बीए प्रवेश परीक्षा मे गणित विषय से जुड़े 10 प्रश्न पूछे गए थे। जानकारी मिलते ही कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने त्वरित संज्ञान लिया और कहा कि गणित के 10 प्रश्नों के अंक सभी अभ्यर्थियो को बोनस के रूप मे मिलेगे।

AMAR UJALA

लविवि : चॉइस फिलिंग आज से

लखनऊ। लविवि ने स्नातक प्रवेश सत्र 2026-27 के तहत बीकॉम (एनईपी) और बीकॉम (ऑनर्स) पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन चॉइस फिलिंग प्रक्रिया शुरू की है। नोटिस के अनुसार, अभ्यर्थी 14 से 15 जुलाई तक लविवि और संबद्ध महाविद्यालयों के लिए अपनी पसंद भर सकेंगे। लविवि ने रविवार को इन पाठ्यक्रमों की प्रोविजनल कंप्लीट मेरिट लिस्ट जारी की थी। प्रवेश समन्वयक अनित्य गौरव के नोटिस के अनुसार, अभ्यर्थी वेबसाइट lkouniv.ac.in पर परिणाम देख सकते हैं। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के एमबीए (ऑल प्रोग्राम) प्रवेश के लिए सूचना जारी की है। एमबीए की प्रवेश परीक्षा 19 जुलाई को होगी। जिन अभ्यर्थियों ने कैट-2025 के स्कोर के आधार पर आवेदन किया है और न्यूनतम परसेंटाइल है, उन्हें परीक्षा में शामिल होने की आवश्यकता नहीं होगी। (माई सिटी रिपोर्टर)

विमोचन के लिए 20 तक मांगीं प्रतियां

लखनऊ। लविवि की कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा की ओर से सभी संकायाध्यक्षों, निदेशकों, समन्वयकों और शिक्षकों को पत्र जारी कर उनकी प्रकाशित पुस्तकों की प्रतियां उपलब्ध कराने को कहा है। पत्र के अनुसार, 31 जुलाई को राज्यपाल की अध्यक्षता में होने वाले दीक्षांत समारोह में विवि के शिक्षकों की लिखी पुस्तकों का विमोचन भी प्रस्तावित है। ऐसे में जिन शिक्षकों को अपनी पुस्तकें समारोह में राज्यपाल से विमोचित करानी हैं, उन्हें अपनी पुस्तक की पांच प्रतियां 20 जुलाई तक कुलसचिव कार्यालय में उपलब्ध करानी होंगी।(माई सिटी रिपोर्टर)

DAINIK JAGRAN

अभिभावक बच्चों को दें समय, खत्म होगी आनलाइन गेमिंग की लत

जासं • लखनऊ : बच्चों में आनलाइन गेमिंग की बढ़ती लत को लेकर अभिभावकों की चिंता बढ़ती जा रही है। सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट ने भी आनलाइन गेमिंग से हो रही घटनाओं का संज्ञान लिया है। ऐसे में इस पर अंकुश लगाया जाना बेहद जरूरी है। इसी मुद्दे पर दैनिक जागरण कार्यालय में सोमवार को जागरण विमर्श का आयोजन किया गया। लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. अर्चना शुक्ला ने आनलाइन गेमिंग के दुष्प्रभाव और इससे मुक्ति के उपायों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि हमें इस समस्या के मूल कारण को समझना होगा। इसका मूल कारण अभिभावकों का अपने बच्चों को समय न देना है। ऐसे में जरूरत कानून बनाने की नहीं, बल्कि अभिभावकों द्वारा बच्चों को पर्याप्त समय देने की है। तभी उनमें आनलाइन गेमिंग की लत को खत्म किया जा सकता है।

प्रो. शुक्ला ने कहा कि बच्चों में आनलाइन गेमिंग की लत कोरोना काल के बाद तेजी से बढ़ी है। अभिभावकों की व्यस्तता और घर में उबाऊ माहौल के कारण बच्चों के हाथ में मोबाइल आ गया। मोबाइल का उपयोग करते-करते वे कब आनलाइन गेमिंग की ओर इतना आगे बढ़ गए कि अब बिना मोबाइल के कुछ देर भी नहीं रह पाते। स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि बड़ी संख्या में अभिभावक अपने बच्चों को इलाज के लिए चिकित्सा संस्थानों में लेकर आ रहे हैं। यह किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। इस पर तत्काल अंकुश लगाने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि अक्सर अभिभावक कहते हैं कि उनका बच्चा दिनभर मोबाइल पर आनलाइन गेम खेलता रहता है, लेकिन जब उनसे उनके स्वयं के स्क्रीन टाइम के बारे में पूछा जाता है तो वे इधर-उधर झांकने लगते हैं। ऐसे में यह कहना कि वे बहुत व्यस्त रहते हैं, उचित नहीं है। उन्हें संतुलन बनाते हुए बच्चों के लिए भी पर्याप्त समय निकालना चाहिए। बच्चों के साथ समय बिताने से उनकी रुचियों और उनके मन में चल रहे विचारों को समझा जा सकता है। आज की पीढ़ी बेहद अलग सोच वाली है, यदि उसे परिवार का समय और मार्गदर्शन नहीं मिलेगा तो वह अपने रास्ते स्वयं तलाशेगी। ऐसे में सही दिशा और मार्गदर्शन के अभाव में गलत रास्ते पर जाने की आशंका बढ़ जाती है। अभिभावकों को बच्चों की बातों को गंभीरता से सुनना चाहिए, उनकी जिज्ञासाओं का उत्तर देना चाहिए और उनके साथ अधिक से अधिक संवाद करना चाहिए। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि स्कूलों की ओर से मोबाइल पर होमवर्क दिया जाना गलत नहीं है, बशर्ते अभिभावक इस पर नजर रखें कि बच्चा होमवर्क कितनी देर में पूरा कर रहा है और उसके बाद मोबाइल पर क्या कर रहा है।

जागरण विमर्श

लवि के मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. अर्चना शुक्ला ने आनलाइन गेमिंग के दुष्प्रभाव और मुक्ति के उपायों के बारे में बताया

...तो विशेषज्ञ या चिकित्सक से लेनी चाहिए सलाह

मोबाइल की लत से छुटकारा पाने के उपायों पर प्रो. शुक्ला ने कहा कि यदि अभिभावक स्वयं भी मोबाइल का सीमित और संतुलित उपयोग करें और बच्चों को पर्याप्त समय दें तो मोबाइल एडिक्शन जैसी स्थिति उत्पन्न होने की संभावना काफी कम हो जाती है। यदि बच्चा मोबाइल के बिना नहीं रह पा रहा है तो बिना देर किए किसी विशेषज्ञ या चिकित्सक से सलाह लेनी चाहिए। धीरे-धीरे परिवार और विशेषज्ञों के संयुक्त प्रयास से बच्चे को इस स्थिति से बाहर निकाला जा सकता है।

प्रो. अर्चना शुक्ला • जागरण

बच्चों का कक्षा और परीक्षा में प्रदर्शन होता प्रभावित

उन्होंने बताया कि एआइ के दौर में आनलाइन गेमिंग कंपनियां ऐसे एप विकसित कर रही हैं, जिनका एक बार उपयोग करने के बाद बच्चों की उनमें रुचि और बढ़ जाती है। गेम को सामूहिक मंचों से जोड़ दिए जाने के कारण बच्चे उससे और अधिक जुड़ जाते हैं। कई बार स्थिति ऐसी हो जाती है कि उनके हाथ से मोबाइल वापस लेना भी बेहद कठिन हो जाता है। मोबाइल की लत से कक्षा और परीक्षाओं में बच्चों का प्रदर्शन भी प्रभावित होता है।

DAINIK JAGRAN

दीक्षा समारोह में गांव के मेधावी होंगे सम्मानित

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय का 69वां दीक्षा समारोह 31 जुलाई को होगा। इसमें विश्वविद्यालय की ओर से गोद लिए गांव के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया जाएगा। दीक्षा समारोह माह के अंतर्गत समाज कार्य विभाग स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के संयोजन में गोद लिए गए गांव भैंसामऊ, गाजीपुर, डिंगुरपुर, सोनवा एवं मिश्रीपुर के विद्यालयों में चित्रकला, भाषण, कहानी कथन एवं काव्य एवं खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विद्यार्थियों ने मेरी मां विषय पर अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। (वि.)

कैट में सामान्य स्कोर 50% तो मेरिट से प्रवेश

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने एमबीए पाठ्यक्रमों में कामन एडमिशन टेस्ट (कैट)-2025 स्कोर के जरिए प्रवेश को लेकर सोमवार को गाइडलाइन जारी की है। सामान्य वर्ग के ऐसे अभ्यर्थी जिनका न्यूनतम कैट स्कोर 50 प्रतिशत, ओबीसी वर्ग में 45 प्रतिशत, एससी-एसटी में 45 प्रतिशत और दिव्यांग में 45 प्रतिशत है। ऐसे अभ्यर्थियों को एमबीए प्रवेश परीक्षा में शामिल नहीं होना है। उन्हें कैट स्कोर 2025 की मेरिट के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। प्रवेश समन्वयक प्रोफेसर अनित्य गौरव ने बताया कि जिन अभ्यर्थियों का कैट 2025 में दिए गए न्यूनतम स्कोर से कम है, ऐसे सभी लोगों को 19 जुलाई को होने वाली एमबीए प्रवेश परीक्षा में शामिल होना अनिवार्य है।

बीकाम एनईपी और बीकाम आनर्स की मेरिट जारी : लवि ने बी.काम एनईपी और बी.काम आनर्स में प्रवेश के लिए मेरिट सूची जारी कर दी है। अभ्यर्थियों को आनलाइन काउंसिलिंग के अंतर्गत विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों की च्वाइस फिलिंग 14 से 15 जुलाई तक आनलाइन माध्यम से भरने का मौका दिया गया है। वहीं, इसकी आंसर कुंजी भी जारी की गई है, जिसका मिलान अभ्यर्थी कर सकते हैं।

AMAR UJALA

बीए प्रवेश परीक्षा में आउट ऑफ सिलेबस थे 10 सवाल

लविवि ने मानी गलती, अब मिलेंगे पूरे अंक

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की बीए प्रवेश परीक्षा में पाठ्यक्रम के बाहर से प्रश्न पूछे जाने पर अभ्यर्थियों ने रविवार को कुलपति जेपी सैनी से शिकायत की। प्रवेश प्रक्रिया में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की। कुलपति ने इसे गंभीरता से लिया। पाठ्यक्रम से बाहर के प्रश्न आना तकनीकी त्रुटि थी। आश्वासन दिया कि खामियाजा नहीं भुगतना पड़ेगा। तत्काल प्रवेश समन्वयक को निर्देश दिए कि गणित के सभी प्रश्नों के अंक सभी अभ्यर्थियों को बोनस के रूप में दिए जाएं।

पिछले दिनों बीए स्नातक प्रवेश परीक्षा में गणित से संबंधित 10 सवाल पूछे गए थे। अभ्यर्थियों का आरोप था कि विवि के आधिकारिक सिलेबस (पाठ्यक्रम) में गणित विषय का उल्लेख नहीं था। गैर-गणित पृष्ठभूमि के छात्रों को लगा कि इन अप्रत्याशित प्रश्नों से उनकी मेरिट प्रभावित होगी। प्रवेश समन्वयक को ईमेल से शिकायत भेजी थी, लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिला। इसके बाद 25 से अधिक छात्र-छात्राओं ने कुलपति से मुलाकात की।

- **बीए एलएलबी में स्थिति स्पष्ट करने की मांग :** अभ्यर्थियों ने बीए एलएलबी (पांच वर्षीय) पाठ्यक्रम में भी अनियमितताओं का आरोप लगाया। क्लैट के माध्यम से 450 विद्यार्थियों ने आवेदन किया था, जबकि विवि ने लगभग 5600 विद्यार्थियों को परीक्षा में शामिल कर लिया। इस पाठ्यक्रम में कुल सीटें मात्र 330 ही हैं, जिससे असमंजस की स्थिति है। कुलपति से शिकायत करने वालों में अमन सिंह, एंजल कश्यप, अंशिका यादव, आर्यन गुप्ता, अवि सिंह, दिव्यांश पांडेय समेत 25 से अधिक छात्र शामिल थे।

दीक्षांत समारोह में सम्मानित होंगी गांवों की बाल प्रतिभाएं

लखनऊ। लविवि के 31 जुलाई को प्रस्तावित दीक्षांत समारोह में गोद लिए गए गांवों के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के निर्देश पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने भैंसामऊ, गाजीपुर, डिंगुरपुर, सोनवा व मिश्रीपुर के विद्यालयों में प्रतियोगिताएं हुईं थीं। पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के निदेशक राकेश द्विवेदी ने बताया कि खेलकूद में चयनित बच्चों को विशेष अतिथि के रूप में शामिल होने का अवसर मिलेगा। (माई सिटी रिपोर्टर)

DAINIK JAGRAN

बीए प्रवेश परीक्षा में आए थे कोर्स के बाहर से प्रश्न, मिलेंगे पूरे अंक

- कुलपति प्रोफेसर जेपी सैनी ने गणित विषय के प्रश्नों पर छात्र हित में लिया निर्णय
- बीए स्नातक प्रवेश परीक्षा में गणित विषय के पाठ्यक्रम से पूछे गए थे प्रश्न

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय बी.ए स्नातक प्रवेश परीक्षा में गणित विषय के पाठ्यक्रम से बाहर के पूछे गए सभी 10 प्रश्नों के बदले अभ्यर्थियों को पूरे अंक देगा। कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने छात्र हित में यह निर्णय लिया है।

लवि ने बीती 11 जुलाई को दोपहर की पाली में बी.ए स्नातक प्रवेश परीक्षा आयोजित की थी। इसके प्रश्न पत्र में गणित विषय से संबंधित 10 सवाल पूछ लिए गए थे। परीक्षा खत्म होने के बाद जब अभ्यर्थियों ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा पूर्व निर्धारित और प्रदान किए गए आधिकारिक पाठ्यक्रम में गणित विषय का कहीं कोई उल्लेख नहीं था।

अभ्यर्थियों में इसे लेकर काफी असमंजस और चिंता की स्थिति बन गई थी। गैर-गणित पृष्ठभूमि (विशेषकर आर्ट्स और ह्यूमैनिटीज) के अभ्यर्थियों को लग रहा था कि इन 10 प्रश्नों से उनकी मेरिट पर विपरीत असर पड़ेगा और वे प्रवेश की दौड़ में पिछड़ सकते हैं।

मामला संज्ञान में आने पर कुलपति ने कहा कि गणित के सभी प्रश्नों के अंक सभी अभ्यर्थियों को बोनस के रूप में दिए जाएंगे। उनका कहना है कि प्रवेश परीक्षा में पाठ्यक्रम से बाहर के प्रश्न आना एक तकनीकी त्रुटि थी, जिसका संज्ञान लेते हुए छात्रहित में अंक देने का निर्णय लिया है।

I NEXT

कोर्स के बाहर से सवाल अब मिलेंगे पूरे मार्क्स

कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने छात्र हित में लिया निर्णय

LUCKNOW (13 July): लखनऊ यूनिवर्सिटी बीए स्नातक प्रवेश परीक्षा में गणित विषय के कोर्स से बाहर के पूछे गए सभी 10 प्रश्नों के बदले स्टूडेंट्स को पूरे मार्क्स देगा. वीसी प्रो. जेपी सैनी ने छात्र हित में यह निर्णय लिया है.

कोर्स में नहीं थे प्रश्न

एलयू ने बीती 11 जुलाई को दोपहर की पाली में बीए स्नातक प्रवेश परीक्षा आयोजित की थी. इसके प्रश्न पत्र में गणित विषय से संबंधित 10 सवाल पूछ लिए गए थे. परीक्षा खत्म होने के बाद जब स्टूडेंट्स ने बताया कि यूनिवर्सिटी द्वारा पूर्व निर्धारित और प्रदान किए गए आधिकारिक कोर्स में गणित विषय का कहीं कोई उल्लेख नहीं था. अभ्यर्थियों में इसे लेकर काफी असमंजस और चिंता की स्थिति बन गई थी.

मेरिट पर पड़ता है असर

गैर-गणित पृष्ठभूमि (विशेषकर आर्ट्स और ह्यूमैनिटीज) के स्टूडेंट्स को लग रहा था कि इन 10 प्रश्नों से उनकी मेरिट पर विपरीत असर पड़ेगा और वे एडमिशन की दौड़ में पिछड़ सकते हैं. मामला संज्ञान में आने पर वीसी ने कहा कि गणित के सभी प्रश्नों के मार्क्स सभी स्टूडेंट्स को बोनस के रूप में दिए जाएंगे. उनका कहना है कि प्रवेश परीक्षा में कोर्स से बाहर के प्रश्न आना एक तकनीकी त्रुटि थी, जिसका संज्ञान लेते हुए छात्रहित में मार्क्स देने का निर्णय लिया है.

NBT

बीए प्रवेश परीक्षा में आए गणित के 'आउट ऑफ सिलेबस' सवाल

सभी अभ्यर्थियों को मिलेंगे पूरे अंक

NBT रिपोर्ट, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय (एलयू) की स्नातक प्रवेश परीक्षा में सोमवार को बड़ी चूक सामने आई। बीए प्रवेश परीक्षा के प्रश्नपत्र में आधिकारिक सिलेबस से बाहर गणित के 10 प्रश्न पूछ लिए गए। परीक्षा के बाद बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने इसकी शिकायत की, क्योंकि बीए के निर्धारित पाठ्यक्रम में गणित शामिल नहीं था। गैर-गणित पृष्ठभूमि के छात्रों ने आशंका जताई कि इन प्रश्नों से उनकी मेरिट प्रभावित हो सकती है।

शिकायतों के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने तत्काल प्रवेश सेल की बैठक बुलाकर निर्णय लिया कि संबंधित 10 प्रश्नों के पूरे अंक सभी अभ्यर्थियों को दिए जाएंगे। जिन छात्रों ने प्रश्न हल किए और जिन्होंने नहीं किए, दोनों को समान अंक मिलेंगे। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया कि परिणाम तैयार करते समय इस संशोधन को लागू किया जाएगा।

जानकारी के अनुसार, रविवार को आयोजित बीए प्रवेश परीक्षा के प्रश्नपत्र में गणित के प्रश्न शामिल होने को विश्वविद्यालय की बड़ी लापरवाही माना जा रहा है। प्रश्नपत्र तैयार करने और मॉडरेशन की प्रक्रिया के दौरान सिलेबस का सही मिलान नहीं किया गया। इस चूक को लेकर फिलहाल किसी अधिकारी पर कार्रवाई का निर्णय नहीं लिया गया है।

कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने कहा कि यह एक तकनीकी त्रुटि थी, लेकिन छात्रों के हितों को ध्यान में रखते हुए सभी को समान अंक देने का फैसला किया गया है। उन्होंने कहा कि किसी भी अभ्यर्थी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा और पूरी मूल्यांकन प्रक्रिया निष्पक्ष व पारदर्शी रहेगी।

प्रवेश समन्वयक प्रो. अनित्य गौरव ने बताया कि परिणाम तैयार करने की प्रक्रिया में आवश्यक संशोधन कर दिया गया है। अब संशोधित मूल्यांकन के आधार पर मेरिट सूची तैयार की जाएगी, जिससे सभी अभ्यर्थियों को समान अवसर मिल सके।

NBT

छात्रों के लिए खुले LU के द्वार

NBT

NBT रिपोर्ट, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय (एलयू) में सोमवार से नए शैक्षणिक सत्र की औपचारिक शुरुआत हो गई। समर वेकेशन के बाद विवि के गेटल खुलते ही कैंपस एक बार फिर छात्रों की चहल-पहल से गुलजार हो उठा। सत्र के पहले दिन अधिकांश छात्र अपने-अपने विभागों में कक्षाएं और टाइम-टेबल तलाशते नजर आए। हालांकि लगभग सभी विभागों में क्लासेज चलीं, लेकिन पहले दिन छात्रसंख्या सीमित रही।

दाखिले जारी, इसलिए सिर्फ सीनियर पहुंचे : परिसर में पहले दिन केवल सीनियर छात्र ही नजर आए। इसकी वजह यह है कि एलयू में अभी यूजी और पीजी पाठ्यक्रमों में दाखिले की प्रक्रिया चल रही है। प्रथम वर्ष (फर्स्ट ईयर) के छात्रों के प्रवेश अभी पूरे नहीं हुए हैं। इसे देखते हुए विभिन्न विभागों ने फिलहाल केवल द्वितीय वर्ष से लेकर पांचवें वर्ष तक के स्टूडेंट्स के लिए ही टाइम-टेबल जारी किया है।

शिक्षक मुस्तैद, धीरे-धीरे बढ़ेगी संख्या : विवि प्रवक्ता मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि नए सत्र के पहले दिन कैंपस में छात्रों की उपस्थिति थोड़ी कम रही है। अभी शुरुआत है, इसलिए आने वाले दिनों में परिसर में छात्रों की संख्या बढ़ेगी। कक्षाओं का टाइम-टेबल पहले ही जारी किया जा चुका था और सभी शिक्षकों ने पहले दिन क्लास ली है।

अभी केवल सीनियर स्टूडेंट्स ही पहुंचे विवि, फर्स्ट ईयर के दाखिले की प्रक्रिया जारी

AMRIT VICHAR

लविवि में बीए की प्रवेश परीक्षा में पूछे गणित के सवाल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के स्नातक (बीए) की प्रवेश परीक्षा मे गणित के 10 प्रश्न पूछे गए। छात्रों और अभिभावकों ने इसका विरोध शुरू किया तो विश्व विद्यालय प्रशासन बैकफुट पर आया। बढ़ते विरोध को देखते हुए कुलपति ने स्वयं पाठ्यक्रम के बाहर से पूछे गए प्रश्नों के पूरे अंक देने की बात कही है।

लखनऊ विश्वविद्यालय ने शिक्षा सत्र 2026-27 मे बीए मे प्रवेश के लिए परीक्षा का कराई। इस परीक्षा मे लगभग 6600 अभ्यर्थी शामिल हुए। विश्वविद्यालय के घोषित पाठ्यक्रम मे हिंदी, अंग्रेजी, इतिहास, भूगोल, नागरिक शास्त्र, मनोविज्ञान और अर्थशास्त्र विषय के प्रश्न पूछे जाने थे। किंतु इन विषयों के अतिरिक्त 12वीं स्तर के गणित, विज्ञान एवं समाजशास्त्र के प्रश्न पूछे गए। पाठ्यक्रम के बाहर से प्रश्न पूछने पर अभ्यर्थी परेशान हो गए। कुछ अभ्यर्थियों ने आपत्ति जताई। इसके बाद विरोध शुरू हो गया। खासकर गैर गणित पृष्ठभूमि के छात्रों ने आशंका व्यक्त की थी कि इन प्रश्नों से उनकी मेरिट प्रभावित हो सकती है। धीरे-धीरे विरोध के स्वर बढ़ने लगे और विवि की कार्यप्रणाली में चूक पर चर्चा भी शुरू हो गई। जानकारी कुलपति तक पहुंची। उन्होंने संबंधितों से जानकारी ली। इसके बाद पाठ्यक्रम के बाहर से पूछे गए प्रश्नों के पूरे अंक अभ्यर्थियों को देने के निर्देश दिए। लविवि के प्रवेश समन्वयक प्रो. अनित्य गौरव ने बताया कि कुलपति के आदेशानुसार परिणाम तैयार करने की प्रक्रिया में इस संशोधन को तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

आवेदन आए 450, प्रवेश परीक्षा में बैठा लिए 5600 विद्यार्थी

- बीए एलएलबी के पांच वर्षीय पाठ्यक्रम मे 300 सीटें हैं। इसके लिए 450 विद्यार्थियों ने क्लैट के माध्यम से आवेदन किया था। इसके विपरीत विश्वविद्यालय ने लगभग 5600 विद्यार्थियों को परीक्षा मे सम्मिलित करा दिया। इस पर भी लोग सवाल उठाने लगे हैं।

एमबीए की प्रवेश परीक्षा 19 जुलाई को होगी

- **अमृत विचार, लखनऊ:** लखनऊ विश्वविद्यालय की एमबीए (सभी प्रोग्राम) पाठ्यक्रम की प्रवेश परीक्षा 19 जुलाई को होना प्रस्तावित है। वे अभ्यर्थी जिन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय मे आनलाइन आवेदन किया है और सीएटी 2025 की प्रवेश परीक्षा मे सम्मिलित हुए हैं, उन अभ्यार्थियों को न्यूनतम स्कोर के अनुसार परीक्षा से छूट दी गई है। सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए सीएटी 2025 मे न्यूनतम स्कोर 50 परसेंटाईल, अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए न्यूनतम स्कोर 45 परसेंटाईल, अनुसूचित जाति व जनजाति के अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम स्कोर 45 परसेंटाईल, दिव्यांग के न्यूनतम स्कोर 45 परसेंटाईल निर्धारित किया गया है। जिन अभ्यर्थियों का सीएटी 2025 मे उपरोक्त न्यूनतम स्कोर से कम स्कोर है, ऐसे अभ्यार्थियों को लखनऊ विश्वविद्यालय की उक्त प्रवेश परीक्षा मे सम्मिलित होना अनिवार्य है।

I NEXT

गांव के मेधावी भी होंगे सम्मानित

एलयू का 69वां दीक्षा समारोह 31 जुलाई को है. इसमें यूनिवर्सिटी की ओर से गोद लिए गांव के प्रतिभाशाली स्टूडेंट्स को भी सम्मानित किया जाएगा. दीक्षा समारोह माह के अंतर्गत समाज कार्य विभाग स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के संयोजन में गोद लिए गए गांव भैंसामऊ, गाजीपुर, डिंगुरपुर, सोनवा एवं मिश्रीपुर के विद्यालयों में चित्रकला, भाषण, कहानी कथन एवं काव्य एवं खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं.

NBT

दीक्षांत में सम्मानित होंगे प्राइमरी के मेधावी

NBT रिपोर्ट, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के आगामी दीक्षांत समारोह में पहली बार विश्वविद्यालय के मेधावियों के साथ ग्रामीण प्राथमिक विद्यालयों के प्रतिभाशाली बच्चों को भी सम्मानित किया जाएगा। राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल उन्हें पुरस्कार देकर प्रोत्साहित करेंगी। विश्वविद्यालय के गोद लिए पांच गांवों (भैंसामऊ, गाजीपुर, डिंगुरपुर, सोनवा और मिश्रीपुर) के विद्यालयों में चित्रकला, भाषण, कहानी, काव्य, खेलकूद व अन्य प्रतियोगिताएं आयोजित की गई थीं। इनमें प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पाने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। चयनित ग्रामीण खिलाड़ी भी दीक्षांत समारोह में विशेष अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

LU के गोद लिए पांच गांवों के स्कूलों से किया जाएगा चयन

UNIVERSITY NEWS 14 JULY 2026

AMRIT VICHAR

लविवि दीक्षांत में गोद लिए छात्र होंगे सम्मानित

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांवों के बच्चे। ● अमृत विचार

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से गोद लिए गए गांवों के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को आगामी 31 जुलाई को दीक्षांत समारोह में सम्मानित किया जाएगा। यह पहल राज्यपाल व कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल के निर्देशों के अनुरूप की जा रही है। विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ के संयोजन में भैंसामऊ, गाजीपुर, डिंगुरपुर, सोनवा और मिश्रीपुर गांवों के विद्यालयों में चित्रकला, भाषण, कहानी कथन और काव्य प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

● मेरी मां विषय पर छात्रों के बीच कराई गई प्रतियोगिता

प्रतियोगिताएं दो श्रेणियों में कराई गईं, जिनका विषय "मेरी मां" रखा गया था। इन गतिविधियों का उद्देश्य ग्रामीण विद्यार्थियों में सृजनात्मकता, भाषायी दक्षता, आत्मविश्वास और तार्किक सोच को बढ़ावा देना है। इसके साथ ही गोद लिए गए गांवों में ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। खेल गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करने का प्रयास किया गया। समारोह में प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिताओं में चयनित बच्चों को समारोह में अतिथि के रूप में शामिल होने का अवसर भी मिलेगा। शोध पीठ के निदेशक प्रो. राकेश द्विवेदी ने बताया कि यह अभियान एकात्म मानव दर्शन और अंत्योदय की भावना पर आधारित है। उन्होंने कहा कि ऐसी पहल से ग्रामीण विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण से परिचित होने और उच्च शिक्षा के प्रति प्रेरित होने का अवसर मिलता है।

VOICE OF LUCKNOW

लविवि के गोद लिये गये ग्रामों के प्रतिभाशाली विद्यार्थी दीक्षांत समारोह में होंगे सम्मानित

लखनऊ। लविवि के दीक्षांत समारोह माह के तहत समाज कार्य विभाग स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के संयोजन में विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये ग्रामों भैंसामऊ, गाजीपुर, डिंगुरपुर, सोनवा एवं मिश्रीपुर के विद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। समारोह के उपलक्ष्य में आयोजित इन प्रतियोगिताओं के अंतर्गत चित्रकला, भाषण, कहानी कथन एवं काव्य प्रतियोगिताएं दो श्रेणियों में संपन्न कराई गईं। विद्यार्थियों ने मेरी मां विषय पर अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। इसी क्रम में गोद लिए गए ग्रामों के विद्यालयों में ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिताओं का भी निरंतर आयोजन किया गया।

VOICE OF LUCKNOW

लविवि: बीए प्रवेश परीक्षा में आउट ऑफ सिलेबस गणित के सवालों पर मिलेंगे पूरे अंक

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित स्नातक प्रवेश परीक्षा 2026-27 के अंतर्गत बीए पाठ्यक्रम की प्रवेश परीक्षा में पूछे गए आउट ऑफ सिलेबस (पाठ्यक्रम से बाहर) के प्रश्नों के मामले में कुलपति ने छात्र हितैषी कदम उठाया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने निर्णय लिया है कि बीए प्रवेश परीक्षा में शामिल होने वाले सभी विद्यार्थियों को गणित विषय के उन सभी 10 प्रश्नों के पूरे अंक समान रूप से दिये जायेंगे। बता दें कि हाल ही में संपन्न हुई बीए स्नातक प्रवेश परीक्षा के प्रश्न पत्र में गणित विषय से संबंधित 10 सवाल पूछ लिए गए थे। परीक्षा समाप्त होने के बाद जब अभ्यर्थियों द्वारा यह बात सामने लाई गई कि विश्वविद्यालय द्वारा पूर्व निर्धारित और प्रदान किए गए आधिकारिक सिलेबस (पाठ्यक्रम) में गणित विषय का कहीं कोई उल्लेख नहीं था, तो छात्रों में इसे लेकर काफी असमंजस और चिंता की स्थिति बन गई थी। गैर-गणित पृष्ठभूमि (विशेषकर आर्ट्स और ह्यूमेनिटीज) के छात्रों को लग रहा था कि इन अनपेक्षित 10 प्रश्नों के कारण उनकी मेरिट पर विपरीत असर पड़ेगा और वे प्रवेश की दौड़ में पिछड़ सकते हैं। जैसे ही यह मामला कुलपति प्रो. जेपी सैनी के संज्ञान में आया, उन्होंने छात्रों की चिंताओं को दूर करने के लिए इस पर त्वरित निर्णय लिया। कुलपति ने स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर हुई गलती का खामियाजा छात्रों को नहीं भुगतना पड़ेगा। उन्होंने पारदर्शी मूल्यांकन सुनिश्चित करने के लिए गणित के सभी प्रश्नों के अंक सभी अभ्यर्थियों को बोनस के रूप में देने के निर्देश जारी कर दिए।

SWATANTRA BHARAT

तकनीकी त्रुटि का खामियाजा नहीं भुगतेंगे छात्र : कुलपति

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीए स्नातक प्रवेश परीक्षा 2026-27 में पूछे गए आउट ऑफ सिलेबस गणित के 10 प्रश्नों को लेकर बड़ा छात्रहितैषी निर्णय लिया है। कुलपति प्रो जेपी सैनी के निर्देश पर इन सभी 10 प्रश्नों के पूरे अंक परीक्षा में शामिल प्रत्येक अभ्यर्थी को दिए जाएंगे। बीए प्रवेश परीक्षा के बाद छात्रों ने शिकायत की थी कि आधिकारिक पाठ्यक्रम में गणित शामिल नहीं था, फिर भी प्रश्नपत्र में गणित के 10 प्रश्न पूछे गए। इससे विशेषकर कला एवं मानविकी पृष्ठभूमि के छात्रों में मेरिट प्रभावित होने की आशंका को लेकर चिंता बढ़ गई थी। मामले का संज्ञान लेते हुए कुलपति प्रो सैनी ने कहा कि तकनीकी त्रुटि का खामियाजा किसी भी छात्र को नहीं भुगतना पड़ेगा। उन्होंने मूल्यांकन प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाए रखने के लिए सभी अभ्यर्थियों को इन प्रश्नों के पूरे अंक देने के निर्देश दिए। प्रवेश समन्वयक प्रो. अनित्य गौरव ने बताया कि कुलपति के आदेश के अनुसार परिणाम तैयार करने की प्रक्रिया में यह संशोधन तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।